RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 096
दि. 04.08.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

एक ही दिन में पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने राष्ट्रपति मुर्मू से कीं अलग-अलग मुलाकातें, सियासी अटकलें तेज

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की. इस मुलाकात के कुछ ही देर बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी राष्ट्रपति से मिले. इस मुलाकात के बाद सियासी हलचल बढ़ गई है.

राजधानी दिल्ली में स्थित राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है. इस मुलाकात में क्या चर्चा हुई, इसकी जानकारी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है. लेकिन दोनों की मुलाकात को बेहद अहम माना जा रहा है. यह प्रधानमंत्री की यूनाइटेड किंगडम और मालदीव की हालिया यात्रा के बाद राष्ट्रपति से पहली मुलाकात थी. प्रधानमंत्री के मुलाकात के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी शनिवार शाम को राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की.

प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह की मुलाकात ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है. यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है.

चुनाव आयोग ने एक अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव के तारीखों का ऐलान किया है. उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी.

धनखड़ के इस्तीफे के बाद खाली हुआ था पद

21 जुलाई, 2025 को जगदीप धनखड़ ने भारत के उपराष्ट्रपति पद से अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया. मानसून सत्र के पहले दिन की समाप्ति के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपा था.

दूसरी ओर, बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) प्रक्रिया को लेकर विवाद चल रहा है. इस प्रक्रिया को लेकर लगातार विपक्ष सवाल उठा रहा है. इस मुद्दे को लेकर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष चर्चा चाहती है, लेकिन सरकार चर्चा करवाने के लिए तैयार नहीं है. इसी कारण संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है.

फि लहाल प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात का असली कारण अब तक पता नहीं है. हालांकि, मुलाकात ने राजनीतिक गतिविधियों को और तेज कर दिया है.

मुख्यमंत्री योगी का बाढ़ प्रभावित इलाकों के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

लखनऊ : 03 अगस्त, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ की स्थिति, आगामी पर्व एवं त्योहारों के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था, ड्रोन परिचालन, हर घर तिरंगा अभियान तथा बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जनपदों के प्रभारी मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी जुड़े थे।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में बाढ़ प्रभावित इलाकों के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कई जनपदों के अधिकारियों से सीधा संवाद कर स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को समय से राहत सामग्री वितरित की जाए। राहत सामग्री की गुणवत्ता व मात्रा को रैण्डम चेक किया जाए। बाढ़ शरणालय में रहने वाले लोगों को पौष्टिक और गर्म खाना उपलब्ध कराया जाए। बाढ़ शरणालयों में महिलाओं के ठहरने के लिए उचित व्यवस्था के साथ उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए और उनके साथ रहने वाले बच्चों के लिए दूध की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित सभी जनपदों में कण्ट्रोल रूम 24ग7 क्रियाशील रहें। जनपद से राहत आयुक्त कार्यालय को हर सूचना प्रतिदिन उपलब्ध करायी जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में डॉक्टर्स की टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं, जहां सभी का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद आवश्यकतानुसार दवा का वितरण किया जाए। रेस्क्यू के लिए बड़ी नावों का इस्तेमाल किया जाए। छोटी-मझोली नावों का प्रयोग न किया जाए। कोई भी व्यक्ति जर्जर भवन में न रहे, अविलम्ब बाढ़ शरणालय में शिफ्ट किया जाए। बाढ़ प्रभावित जनपदों में राहत कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिन इलाकों में कटान की समस्या सामने आ रही है, उन पर विशेष निगरानी की जाए, ताकि समय रहते लोगों को राहत दी जा सके। वहीं बाढ़ के पानी की चपेट में क्षतिग्रस्त मकानों का तत्काल सर्वे किया जाए। इससे बाढ़ प्रभावित लोगों को आवश्यकतानुसार मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास व जमीन का पट्टा उपलब्ध कराया जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिन चीजों की आवश्यकता हो, उसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को तत्काल बताया जाए, ताकि उन चीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार के दृष्टिगत शिवालयों व मन्दिरों में दर्शनार्थियों/श्रद्धालुओं की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाए। बरसात को देखते हुए मन्दिर परिसर में कहीं भी विद्युत तार खुले न हों तथा स्वच्छता एवं साफ-सफाई की व्यवस्था कर ली जाए।

संक्षिप्त समाचार

ड्रोन से दहशत फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट में होगा एक्शन, जरूरत पड़ने पर लगेगा एनएसए, सीएमयोगी की चेतावनी

उत्तर प्रदेश में ड्रोन के दुरुपयोग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त आदेश जारी किया है. उन्होंने कहा कि आतंक फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और जरूरत पड़ने पर एनएसए लगेगा. बिना इजाजत ड्रोन उड़ाना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा. सभी जिलों में निगरानी बढ़ेगी और तकनीक के गलत उपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ड्रोन देखे जाने के बाद लोगों में दहशत फैल गई थी. उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ड्रोन देखे जाने के बाद लोगों में दहशत फैल गई थी.

71 साल की उम्र में दिग्गज एक्टर माधन बॉब ने ली अंतिम सांस, गंभीर बीमारी बनी वजह

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मातम पसरा हुआ है। वेटरेन एक्टर माधन बॉब का निधन हो गया है। उनकी उम्र 71 वर्ष थी। 2 अगस्त की रात उन्होंने चेन्नई में आखिरी सांस ली। माधन लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। परिवार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शनिवार को कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें तमिल फिल्मों में उनके हंसमुख चेहरे और स्वाभाविक हंसी के लिए खूब पहचाना जाता था। अभिनेता का वास्तविक नाम एस. कृष्णमूर्ति था। अपने करियर में उन्होंने कई प्रमुख दक्षिण भारतीय सितारों संग काम किया, जिनमें सुपरस्टार रजनीकांत, कमल हासन, अजित कुमार और सूर्या जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

सीकर प्रदर्शन केस में बड़ा फैसलाः सांसद अमराराम समेत 20 लोग आरोपमुक्त, कोर्ट ने माना-आरोप साबित नहीं

(जीएनएस)।

राजस्थान की छात्र राजनीति और सियासी आंदोलनों में अहम माने जाने वाले 2019 के सीकर धरना-प्रदर्शन प्रकरण में अदालत ने आज दो अगस्त 2025 को एक अहम निर्णय सुनाया है। सीकर की अपर जिला एवं सत्र न्यायालय संख्या-1 ने मौजूदा सीकर सांसद अमराराम, पूर्व विधायक बलवान पूनिया समेत 20 आरोपियों को सभी धाराओं से बरी कर दिया है। सीकर न्यायालय ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को प्रमाणित करने में विफल रहा।

यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब सीकर में छात्रसंघ चुनाव 2019 में कथित गड़बड़ियों के विरोध में संगठनों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया था और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए थे। 28 अगस्त 2019 को सीकर के कल्याण बालिका महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के दौरान मतगणना के

समय हालात तनावपूर्ण हो गए थे।

तब स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया की छात्राओं ने कॉलेज प्राचार्य के निलंबन की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया, जो बाद में सड़क जाम में तब्दील हो गया। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया और लाठीचार्ज किया गया। इसके विरोध में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और उससे जुड़े संगठनों ने 16 सितंबर 2019 को एक रैली निकालते हुए दोबारा सड़क जाम किया। करीब 1000 लोगों की भीड़ थी, जिसमें नेताओं के साथ छात्र, युवा और किसान संगठनों के कार्यकर्ता शामिल थे।

सीकर पुलिस ने 17 सितंबर 2019 को इस घटना को लेकर एफआईआर दर्ज की। तत्कालीन सीकर कोतवाली थानाधिकारी श्रीचंद की शिकायत पर सांसद अमराराम, उनके भाई पेमाराम, पूर्व विधायक बलवान पूनिया, हरफूल बाजिया, रूडसिंह महला, सत्यजीत भींचर, सुभाष नेहरा, कय्यूम कुरैशी, विजेंद्र ढाका सहित 20 लोगों को नामजद किया गया।

'सनातन ना होता तो जित्तुद्दीन हो गए होते', जितेंद्र आव्हाड के बयान पर भड़के संजय निरूपम और शाइना

(जीएनएस)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म पर एक विवादास्पद बयान दिया है जिस पर सत्ता रूढ़ महायुति गठबंधन में शामिल पार्टियां भड़क उठी है। जितेंद्र के बयान ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। उनके विवादित बयान पर शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता शाइना एनसी और संजय निरुपम और नेतीखी प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों को घेरा है।

आव्हाड के सनातन धर्म पर दिए बयान पर, शिवसेना नेता शायना एनसी ने कहा "विपक्ष के लिए सनातन धर्म की आलोचना करना एक चलन बन गया है। आव्हाड का यह कहना कि सनातन धर्म एक 'विकृत' और 'हिंदू धर्म से अलग' विचारधारा है, उनकी अज्ञानता दशार्ता है। ऐसे बेतुके बयान देकर वे जातिगत उत्पीड़न और सामाजिक बहिष्कार के लिए जिम्मेदार हैं।"

संजय बोले- सनातत होता न होता तो आज जित्तुद्दीन' हो गए होते'

राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता जितेंद्र अव्हाड पर सनातन धर्म को बदनाम करने हेतु कथित तौर पर फजी कहानियाँ सुनाने का आरोप है। इस पर प्रतिक्रिया में, यह तर्क दिया गया है कि यदि सनातन धर्म नहीं होता, तो वे स्वयं अब तक शायद 'जित्तुद्दीन' हो जाते। सनातन का सबसे बड़ा योगदान भारत की सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं को हजारों वर्षों से संरक्षित रखने में है। यह भी कहा गया है कि सनातनी न होते तो यह देश कब का 'सऊदी अरब' बन जाता। ऐसे में, सनातन धर्म को 'आतंकवादी' कहना घोर अहसानफरामोशी है।

जितेंद्र आव्हाड क्या कहा था?

गौरतलब है कि शरद पवार गुट वाली एनसीपी के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था , "सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया।

सनातन धर्म नाम का कभी कोई धर्म था ही नहीं। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। यह वही तथाकथित सनातन धर्म था जिसने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज को उनका राज्याभिषेक नहीं करने दिया। इस सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया।

सावित्रीबाई फुले और अंबेडकर का भी किया जिक्र

इस सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या का प्रयास किया। उन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी।" जितेंद्र आव्हाड ने कहा, "इसी सनातन धर्म ने शाहू महाराज की हत्या की साजिश रची। इसने डॉ. बी.आर. अंबेडकर को पानी पीने या स्कूल जाने की भी अनुमति नहीं दी। यह बाबासाहेब अंबेडकर ही थे जो अंततः सनातन धर्म के खिलाफ उठे, मनुस्मृति जलाई और उसकी दमनकारी परंपराओं को अस्वीकार कर दिया। मनुस्मृति का निमार्ता स्वयं इसी सनातनी परंपरा से उभरा था। खुले तौर पर यह कहने में डरना नहीं चाहिए कि सनातन धर्म और उसकी सनातनी विचारधारा विकृत हैं।

स्पाइसजेट के स्टाफ को जमकर पीटने वाला आर्मी ऑफिसर कौन है? 4 जख्मी, जबड़ा तोड़ा-रीढ़ की हड्डी टूटी!

श्रीनगर हवाई अड्डे पर एक चौंकाने वाली घटना में, सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कथित तौर पर स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर हमला कर दिया। यह विवाद अतिरिक्त केबिन बैगेज के शुल्क को लेकर शुरू हुआ, जो हिंसक झड़प में बदल गया। हमले में कर्मचारियों को रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर और जबड़े में गंभीर चोटें आईं। स्पाइसजेट के अनुसार, गुलमर्ग के हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश कुमार सिंह दिल्ली जाने वाली फ्लाइट के लिए चेक-इन कर रहे थे। उनके पास दो केबिन बैग थे, जिनका कुल वजन 16 किलोग्राम था, जो एयरलाइन की 7 किलोग्राम की अनुमत सीमा से कहीं अधिक था।

चिराग पासवान ने एनडीए छोड़ने की अटकलों पर लगाया विराम, बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना एजेंडा भी किया साफ

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चिराग पासवान के पाला बदलने से लेकर एनडीए से अलग होकर अकेले 243 चुनाव लड़नें की चर्चा भी होती रहती है। केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (आर) प्रमुख के बयान भी लगातार इन अटकलों को बढ़ावा देते रहते हैं। चिराग पासवान ने कुछ दिन पहले ही बिहार में बढ़ते अपराधों पर कहा था कि इस सरकार का हिस्सा होने का दुख है।

हालांकि, अब उन्होंने चुनाव को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने एनडीए से अलग होने के दावों पर भी सफाई दी है। चिराग ने कहा है कि वह एनडीए के साथ है और बिहार चुनाव में गठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ेगा।

चिराग पासवान ने एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि एनडीए से अलग होने के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। हम पूरी मजबूती के साथ चुनाव की तैयारी कर रहे हैं और एकजुट होकर संग्राम में

उतरेंगे। चिराग ने एक बार फिर पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक प्रधानमंत्री हैं, वह गठबंधन से बाहर जाने के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दलों के कुछ लोग निजी स्वार्थ की वजह से ऐसी अफवाहें फैलाते हैं।

चिराग पासवान ने कहा, 'मेरा समर्पण मेरे प्रधानमंत्री के लिए आंख मूंदकर है। जब तक मेरे प्रधानमंत्री हैं, मैं आंख मूंद कर उनके साथ हूं। मैं NDA में था, NDA में हूं और रहूंगा।' उन्होंने इसी इंटरव्यू में अपने महत्वाकांक्षी होने के आरोपों पर भी जवाब दिया।

चिराग पासवान ने कहा, 'जहां तक मेरे महत्वाकांक्षी होने की बात है, तो जीवन में अति महत्वाकांक्षी होना ही आपकी सफलता का आधार है। जब कोई आपके साथ नहीं होता, तब आपका आत्मविश्वास, आपका साथ देता है। मैं महत्वाकांक्षी हूं लेकिन मेरी महत्वाकांक्षा, मेरे गठबंधन से ऊपर नहीं है, हम लोग साथ मिलकर बिहार के विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।'

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में मनाए जा रहे शहरी विकास वर्ष के दौरान महानगरों एवं नगरों में विविध विकास कार्यों के लिए 4179 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 03 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी परिवेश में परिवर्तन लाने और नागरिकों के सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता के साथ मनाए जा रहे शहरी विकास वर्ष-2025 के अंतर्गत

राज्य की 7 महानगर पालिकाओं और 12 नगर पालिकाओं में बहुविध विकास कार्यों के लिए4179 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में वर्ष 2005 में शहरी विकास वर्ष के माध्यम से नियोजित शहरी विकास की जो नींव रखी थी, उसकी दो दशकों की उपलब्धियों और सफलता के बाद, राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 2025 को शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस

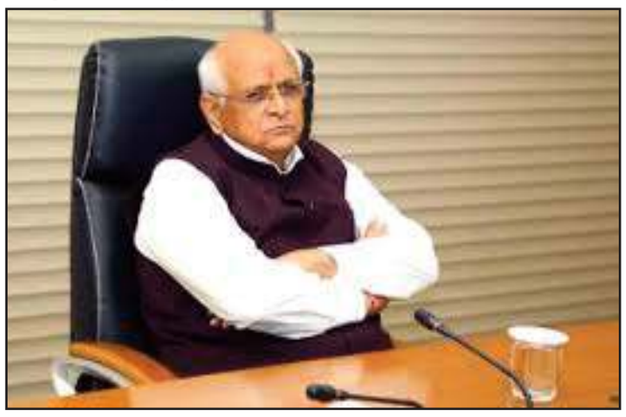

शहरी विकास वर्ष में परिवर्तनशील शहरी विकास के लक्ष्य के साथ शहरों में अधिकाधिक जनकल्याणकारी कार्यों के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत 4179 करोड़ रुपये के इन कार्यों को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है।

तदनुसार, यह राशि महानगरों और नगरों के लिए आवंटित की गयी है जिनमें अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, गांधीनगर और नवगठित 3 महानगर पालिकाओं नडियाद , पोरबंदर और मोरबी तथा नगर पालिकाओं में विसनगर, बोरसद, विरमगाम, पाटन, आमोद, ऊना, हलवद, खंभालिया, सावरकुंडला, धानेरा के साथ-साथ वेरावल और पाटणनगर पालिकाओं का समावेश हैं।

मुख्यमंत्री ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 3768 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।इसमें वडोदरा महानगर पालिका को अर्बन मोबिलिटी और भौतिक अवसंरचना सुविधाओं के 349 कार्यों के लिए 455 करोड़ रुपये, राजकोट को 302 कार्यों के लिए 367 करोड़ रुपये और अहमदाबाद को 252 कार्यों के लिए 2940 करोड़ रुपये का समावेश हैं।

सम्पादकीय

एक उदण्डता के चलते सेना की शान पर बटटा

सेना का भारतीयकरण जरूरी, भारतीय सैन्य अधिकारियों की मुसीबत यह है कि उनकी मानसिकता आज भी अंग्रोजियत के रंग में रंगी हुई है। उन्हें आम नागरिकों से व्यवहार करने का आज भी शालीन तरीका अपनाना अपनी बेइज्जती महसूस होती है। आए दिन सार्वजनिक स्थलों पर सिविल अधिकारियों और नागरिकों से सेना के अधिकारियों की झड़प देखने को मिलती है। रविवार को पता चला कि एक सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल ने अतिरिक्त केबिन सामान को लेकर श्रीनगर हवाईं अड्डे पर स्पाइसजेट के ग्राउण्ड स्टाफ पर हमला करके उसकी रीढ़ की हड्डी को पैक्कर कर दिया तथा जबड़ा तोड़ दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश वुमार सिह की यह उदण्डता 26 जुलाईं की है किन्तु इस घटना का खुलासा रविवार को हुआ। झगड़े का कारण था सैन्य अधिकारी के सामान का निति भार से ज्यादा होना। 7 किग्रा तो वह आसानी से नियमानुसार ले जा सकते थे किन्तु उनका सामान 16 किग्रा निर्धारित भार सीमा से दोगुना से भी ज्यादा। मतलब यह कि अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करके अवैध लाभ लेना चाहते थे। अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए स्पाइसजेट के ग्राउण्ड कर्मचारी को सेना के अधिकारी का कोपभाजन बनना पड़ा। यह अच्छा हुआ कि सैन्य अधिकारी के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली किन्तु अभी तक उसे गिरफ्तार न कर पाना इस बात का स्पष्ट प्रामाण है कि अभी भी उस अधिकारी को पुलिस, प्राशासन और उसके पद की प्रातिष्ठा का लाभ मिल रहा है।

दरअसल आज भी भारतीय सेना का सिविलियन के प्रति वैसा ही व्यवहार है जैसा कि 1947 के पहले था। ये अधिकारी अपने निचले स्तर के कर्मियों के साथ भी इसी तरह अमानवीय व्यवहार करते हैं और जब वह कमा यानि सिपाही अपने कम्पनी कमांडर अथवा कमांडिग आफिसर को शिकायत करता है तो उसी के खिलाफ अनुशासनहीनता और अपने अधिकारी को असंतुष्ट करने का आरोप लगता है। आमा के अपने कानून होते हैं और उनकी धाराएं आज भी वही हैं जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था। तमाम ऐसे अमानवीय एवं अव्यावहारिक प्रावधान हैं जिन्हें न तो सेना बदलना चाहती है और न ही सरकार को किसी तरह की चिन्ता है। सेना का मानना है कि यदि उन प्रावधानों को खत्म कर दिया जाएगा तो सेना में भी अनुशासनहीनता की भावना आ जाएगी। किन्तु सच तो यह है कि शीर्ष अधिकारी सिपाही स्तर के कर्मियों को अपना गुलाम समझते हैं।

इसका मुख्य कारण यही है कि उन्हें आमा मैन्युअल के मुताबिक संरक्षण मिलता है। शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल सैम बहादुर जैसे को अपना आदर्श मानें तो सैन्य प्रातिष्ठान में भी अधिकारियों के व्यवहार में बदलाव लाना असंभव नहीं है।

यह सच है कि हमारे देश में सेना का बहुत सम्मान है। आम आदमी के दिल में सेना के प्रति जो सम्मान है, वह सेना के लिए बहुमूल्य प्रातिष्ठा का कारण है। इसलिए सेना के अधिकारियों द्वारा जब कभी भी इस तरह की बदतमीजियों की घटना होती है तो भी देश की आम जनता उनके प्रति नरमी ही बरतती है। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि जब तक सैन्य तंत्र खुद अपने अधिकारियों को भारतीयता का एहसास नहीं कराएगी, तब तक इस स्थिति से छुटकारा मिलने वाला नहीं है।

लब्बोलुआब यह है कि सरकार को सैन्य मैन्युअल में व्यापक संशोधन करने की जरूरत है और जो अधिकारी सेना के अंदर या बाहर इस तरह की बदतमीजी करे उसे तत्काल स्टेट अथारिटी का एहसास कराए जाने की जरूरत है। उन्हें भी सामान्य न्यायालय में भारतीय न्याय संहिता के तहत अभियोजन का सामना करने के लिए विवश किया जाना चाहिए।

गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर

2023-24 में गुजरात का कुल मत्स्य उत्पादन 9.08 लाख मीट्रिक टन रहा, 2024-25 में 10.37 लाख मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन का अनुमान

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 2025-26 में केंद्र की ओर से गुजरात के लिए 50 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी की गई

गांधीनगर, 03 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में ब्लू इकोनॉमी विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था, ह्लहम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर हैं, जहां ब्लू इकोनॉमी, ग्रीन प्लेनेट के निर्माण का एक माध्यम बनेगी।ह्व गुजरात में देश की सबसे लंबी 2340.62 किलोमीटर लंबी तटरेखा है, जो देश में ब्लू इकोनॉमी के विकास में अहम योगदान दे सकती है। राज्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने और मछुआरों को आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने भी विभिन्न प्रोत्साहक पहलें और नीतियां क्रियान्वित की हैं। इसके चलते आज गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

गत 4 वर्षों में गुजरात में औसत वार्षिक मत्स्य उत्पादन 8.56 लाख मीट्रिक

गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। पिछले 4 वर्षों में गुजरात में औसत वार्षिक मत्स्य उत्पादन का आंकड़ा 8.56 लाख मीट्रिक टन रहा है।

वर्ष 2023-24 (अक्टूबर-सितंबर) में राज्य में समुद्री मछली का उत्पादन 7,04,828 मीट्रिक टन और अंतरदेशीय मछली का उत्पादन 2,03,073 मीट्रिक टन था। इस प्रकार, वर्ष 2023-24 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 9,07,901 मीट्रिक टन रहा था। वर्ष 2024-25 (अक्टूबर-सितंबर) में राज्य में अनुमानित 7,64,343 मीट्रिक टन समुद्री मछली उत्पादन और 2,72,430 मीट्रिक टन अंतरदेशीय मछली उत्पादन के साथ राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 10,36,773 मीट्रिक टन अनुमानित है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना : 2025-26 में केंद्र की ओर से गुजरात के लिए 50 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी

मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता

बढ़ाने तथा मछुआरों की आजीविका में सुधार के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश भर में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) लागू की है। इसके अंतर्गत मत्स्योद्योग के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को केंद्र में रखा गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता से लेकर टेक्नोलॉजी, पोस्ट-हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और मार्केटिंग तक मत्स्य पालन वैल्यू चेन में विद्यमान महत्वपूर्ण खामियों को दूर करने के लिए डिजाइन की गई है। इस योजना का उद्देश्य वैल्यू चेन को आधुनिक और मजबूत बनाना, ट्रेसेबिलिटी बढ़ाना और एक मजबूत मत्स्य पालन प्रबंधन ढांचा स्थापित करने के साथ-साथ मछुआरों का सामाजिक और आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात में वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक विभिन्न घटक परियोजनाओं के लिए भारत सरकार की ओर से कुल 897.54 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। वर्ष 2025-26 के लिए पीएमएमएसवाई के अंतर्गत गुजरात को 50 करोड़ रुपए की ग्रांट आवंटित की गई है। इससे भी राज्य में मत्स्य पालन की गतिविधियों को गति मिल रही है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए गुजरात सरकार के प्रयास

गुजरात के 2340.62 किमी लंबे समुद्री तट की संपूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए राज्य सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में अनेक पहल शुरू की हैं, जिनमें डीजल की वेट दर में कमी, केरोसिन और पेट्रोल की खरीद पर सब्सिडी की सुविधा, झींगा मछलियों के पालन के लिए भूमि प्रदान करना, सड़क एवं बिजली की सुविधाएं और छोटे मछुआरों के बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे में सुधार आदि शामिल हैं। इसके साथ ही, माढवाड़, नवाबंदर, वेरावळ-2 और सूत्रापाडा में चार नए मत्स्य बंदरगाहों का निर्माण किया जा रहा है।

चालू वर्ष 2025-26 के लिए राज्य सरकार द्वारा मत्स्योद्योग के विकास के लिए अनेक नई पहल शुरू की गई हैं, जिनमें मत्स्य पालन और उत्पादन के लिए बायोफ्लोक/रीसाक्युर्लेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) की स्थापना में सहायता, झींगा तालाब की पूर्व तैयारी के लिए दवाई, मिनरल तथा भोजन के रूप में दिए जाने वाले प्रोबायोटिक की खरीद पर सहायता, केज कल्चर के लिए सहायता शामिल है। इसके अलावा, आधुनिक बोट बिल्डिंग यार्ड की स्थापना और बोट मालिकों, मत्स्योद्योग सहकारी मंडलियों और मत्स्य व्यापारियों के लिए ब्लास्ट फ्रीजर और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना पर सहायता के साथ-साथ परंपरागत मछुआरों के लिए नाव (रिप्लेसमेंट) और जाल प्रदान करना, मछली उप-उत्पाद प्रसंस्करण इकाई और सी-वीड बैंक की स्थापना तथा झींगा/मछली/केकड़ा हेचरी की स्थापना और सी-वीड कल्चर आदि के लिए भी सहायता (राफ्ट/ट्यूब नेट) दी जाएगी।

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वत्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित व्रन्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नईं इबारत।

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ अमेरिका अपने स्लीपर सेल की दम पर समूची दुनिया में सरकारें बदलने का षडयंत्र लम्बे समय से करता आ रहा है।

बांग्लादेश से लेकर श्रीलंका तक, कनाडा से लेकर स्कॉटलैंड तक और मेक्सिको से लेकर यूव्रेन तक अमेरिका ने हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया है।

वह विदेशों में वहां के मीरजाफरों की फौज एकत्रित करता है, उन्हें पैसों की चमक दिखाता है और फिर सरकार विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करके अपने षडयंत्र की अमली जामा पहनाने में जुट जाता है।

बांग्लादेश इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उसने एक विशेष भू भाग हथियाने का प्रयास किया जिसमें सफल न होने पर वहां के सरकार विरोधियों के सहयोग से अपने पसन्दीदा व्यत्ति को सिहासन पर बैठा दिया। यूव्रेन पर दबाव बनाकर अपने इच्छित समझौते पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश तो अमेरिकी राष्ट्रपति अपने ही घर में कर चुके हैं। अब भारत की बढती अर्थव्यवस्था और नेता विपक्ष यानी राहुल गांधी ने तत्काल सरकार को घेरने की अपनी नाकाम कोशिश शुरू कर दी। यह अगल बात है कि उन्हें उनकी ही पाटा के नेताओं ने ही आइना दिखा दिया। टैरिफ की गीदड़ भभकी देने वाले ट्रंप ने 7 अगस्त से अपना फरमान लागू

एक विशाल बाजार देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति नित नये फरमान जारी करके दबाव बनाने की जी तोड कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत सम्मानित है। विगत चार सालों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 प्रतिशत से अधिक ही रही है। वर्ष 2023 में यह आंकडा 9.2ट्ट तक जा पहुंच गया था। जबकि अमेरिका की अपनी जीडीपी ग्रोथ रेट वर्ष 2022 से 2025 के मध्य मात्र 3 प्रतिशत से ऊपर ही नहीं गईं। अमेरिका की वुल आबादी से लगभग दो गुना लोग तो भारत में केवल नौकरीपेशा ही है। अभी हाल ही में इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ के घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5ट्ट की दर से बढ़ सकती है जो कि एक उपलब्धि होगी। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारतीय अर्थ व्यवस्था को डेड इकनॉमी बताकर अपनी षडयंत्रकारी प्रवृत्ति का स्वयं ही खुलासा कर दिया है।

भारत के संसदीय सत्र के दौरान ट्रंप ने बयान दिया जिसके आधार पर करने की घोषणा कर दी है जिससे 69 देशों सहित पूरा यूरोपीय संघ सीधा प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के अनुसार अफगानिस्तान पर 15, एलजीरिया पर 30ट्ट, अंगोला पर 15ट्ट, बांग्लादेश पर 20, बोलीविया पर 15, बोस्निया पर 30, हज्रेगोविना पर 30, बोत्सवाना पर 15, ब्राजिल पर 10, ब्रुनेई पर 25, वंबोडिया पर 19, वैमरून पर 15, कोस्टा रिका पर 15, कोटे डी आइवर पर 15, कांगो 15, इक्वेडोर पर 15, इक्वेटोरियल गिनी पर 15, यूरोपीय संघ पर 15, फाकलैंड द्वीप समूह पर 10, फिजी पर 15, घाना पर 15, गुयाना पर 15, आइसलैंड पर 15, भारत पर 25, इंडोनेशिया पर 19, इराक पर 35, इजराइल पर 15, जापान पर 15, जॉर्डन पर 15, कजाखस्तान पर 25, लाओस पर 40, लिसोटो पर 15, लीबिया पर 30, लिकटेंस्टाइन पर 15, मेडागास्कर पर 15, मलावी पर 15, मलेशिया पर 19, मॉरीशस पर 15, मोलदोवा पर 25, मोजाम्बिक पर 15, म्यांमार यानी बर्मा पर 40, नामिबिया पर 15, नाउरू पर 15, न्यूजीलैंड पर 15, निकारागुआ पर 18, नाइजीरिया पर 15, उत्तर मैसेडोनिया पर 15, नॉव्रे पर 15, पाकिस्तान पर 19, पापुआ न्यू गिनी पर 15, फिलिपींस पर 19, स्रबिया पर 35, दक्षिण अफ्रीका पर 30, दक्षिण कोरिया पर 15, श्रीलंका पर 20, स्विट्जरलैंड पर 39, सीरिया पर 41, ताइवान पर 20, थाईलैंड पर 19, त्रिनिदाद पर 15, टोबैगो पर 15, टूनीशिया पर 25, टका पर 15, युगांडा पर 15, यूनाइटेड किगडम पर 10, वानुअतु पर 15, वेनेजएला पर 15, वियतनाम 20, जाम्बिया पर 15 तथा जिम्बाब्वे पर 15 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

सबसे ज्यादा टैक्स रेट वाले देशों में सीरिया को 41, स्विट्जरलैंड को 39, लाओस और म्यांमार को 40, इराक और स्रबिया को 35 और लीबिया और अल्जीरिया को 30 प्रतिशत की सीमा में रखा गया हैं जबकि ताइवान, भारत और वियतनाम जैसे अन्य देश 20 से 25 प्रतिशत की सीमा में हैं। इस सबके पीछे भारत का वैश्विक मंच पर बढता कद, स्वदेशी उत्पादन की वृद्धि, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बढता ग्राफ, ब्रिक्स करैन्सी की योजना, रूस के साथ गहरे संबंध, चीन के साथ कायम होता संतुलन, मालदीप जैसे देशों का पुनः जागता भारत प्रेम जैसे अनेक कारण हैं जिनके कारण डोनाल्ड ट्रंप अपनी गिरती साख को बचाने के लिए मुहम्मद तुगलक बनकर एक पागल बादशाह का पर्याय बनते जा रहे हैं। अमेरिका ने पहली बार भारत पर षडयंत्र शस्त्र से आमण नहीं किया है बल्कि इतिहास के पन्नों में उसकी घातक मानसिकता के संदर्भ भरे पडे हैं। सन् 1962 में भारत-चीन युद्ध होने के कारण देश के हालत चिन्ताजनक हो गये थे।

उसके बाद सन् 1965 में भारत को पाकिस्तान से युद्ध करना पड गया। तब अमेरिका से आने वाले अनाज पर ही देश पूरी तरह निर्भर था। ऐसे में युद्ध के मध्य ही अमेरिकी राष्ट्रपति लिडन बेन्स जॉनसन ने भारत को अनाज देने से मना कर दिया था। उसका मानना था कि भारतवासी अब अमेरिका के सामने घुटना टेककर आत्मसमर्पण कर देंगें मगर देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपने नागरिकों के साथ मिलकर हरित व्रंति शंखनाद करके अमेरिका के मंसूबों पर पानी पेर दिया था। इसी तरह सन् 1998 में परमाणु परीक्षण के दौरान भी अमेरिका ने भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया किन्तु देश एक बार फिर अपने आत्मविश्वास की दम पर सीना ताने खडा रहा। आज देश में मिसाइलों से लेकर फाइटर जेट तक, कम्प्यूटर से लेकर मोबाइल फोन तक, अत्याधुनिक मशीनरीज से लेकर भारी संयत्रों तक का निर्माण हो रहा है। अंतरिक्ष से लेकर समुद्र की गहराइयों तक में भारत का डंका बज रहा है।

ऐसे में दबाव की राजनीति, दमन का षडयंत्र और पीठ में छुरा भोंकने में माहिर अमेरिका अपनी खोखली धमकियों और देश में स्लीपर सेल के रूप में छुपे मीर जाफरों की दम पर भारत को एक बार फिर झुकाने का मंसूबा पाल बैठा है जो आने वाले समय में आत्मघाती कदम हो सकता है।

आार्य है कि डेड इकोनामी बताने के बाद भी ट्रंप की ललचाईं नजरें भारत के रुख पर ही जमी हैं।

दुनिया भर के विशेषज्ञों की घोषणाओं, शोध संस्थानों के प्रकाशनों और इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ की रिपोर्ट को नजरंदाज करके अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वत्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित व्रन्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नईं इबारत।

कोर्ट मैरिज कर दुल्हनिया लेकर घर पहुंचा दूल्हा, पापा ने मार-मारकर निकाला कचूमर

(जीएनएस)।

माता-पिता अपने बच्चों की शादी को लेकर खूब सपने देखते हैं। कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां बन जाती हैं कि पसंद की शादी की वजह से माता-पिता काफी नाराज हो जाते हैं। भारत में आज भी कई पैरेंट्स बच्चों की अपनी मर्जी से शादी और कोर्ट मैरिज से बहुत नाराज होते हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक पिता अपने बेटे की जमकर पिटाई करते दिख रहे हैं। दरअसल लड़का बालिग है और कोर्ट मैरिज कर दूल्हे के कपड़ों में दुल्हन लेकर घर पहुंचता है। हालांकि, पिता बेटे को इस रूप में देखकर आग बबूला हो जाते हैं और उसकी पिटाई शुरू कर देते हैं।

नाराज पिता ने बेटे-बहू को दिखाया बाहर का रास्ता

इस दौरान दूल्हा-दुल्हन की शादी करानेवाला वकील भी साथ में रहता है। वकील पिता से कहता है कि देखिए! लड़का 21 साल का है और इसने कानूनी तौर पर कोर्ट मैरिज कर ली है। लड़का अपने पिता से कहता भी है कि पापा आप घर से मत निकालिए, लेकिन पिता पर कोई असर नहीं होता है। वह बेटे को पीटते हैं और घर से निकालकर दरवाजा बंद कर देते हैं। हालांकि, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में वीडियो का आधा हिस्सा ही शेयर किया गया है। हकीकत में यह कंटेंट क्रिएटर ने हंसी-मजाक के उद्देश्य से वीडियो बनाया है।

इस वायरल वीडियो को अब तक लाखों व्यूज मिल चुके हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि पिता इस शादी से नाखुश हैं। वकील उन्हें कोर्ट के कागज दिखाता है जिसे वह फाड़ देते हैं। बेटा अपने पिता के पैर भी पकड़ता है, लेकिन वो यही कहते हैं कि यहां नहीं रखेंगे, इस घर से निकलो।

पिता जब अपने बेटे को घर से निकालकर गली में पीट रहे होते हैं तो आसपास के लोग भी नजारा देख रहे होते हैं। पिता बार-बार कहते दिख रहे हैं कि हमको कभी कहा नहीं था कि शादी करने वाला है। इस पर बेटा कहता है कि मैंने मम्मी को बताया था। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स कह रहे हैं कि पिता को ऐसा नहीं करना चाहिए था। एक यूजर ने लिखा कि पिता का रिएक्शन बिल्कुल ठीक है। ऐसे बेटे को घर में जगह नहीं मिलनी चाहिए।

अंकिता लोखंडे के घर पर किसका साया? 'परिवार' के दो लोग गायब! जानें एक्ट्रेस ने किससे लगाई मदद की गुहार?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड और टीवी की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के घर में उस वक्त सनसनी मच गई, जब उनकी घरेलू सहायिका की बेटी और उसकी सहेली अचानक लापता हो गईं। गुरुवार, 31 जुलाई से लापता इन नाबालिग लड़कियों की तलाश में अंकिता और उनके पति विक्की जैन ने सोशल मीडिया पर भावुक अपील की है।

इस मामले ने न केवल अंकिता के फैंस को चौंका दिया है, बल्कि सुशांत सिंह राजपूत के साये की अफवाहों को भी हवा दे दी है। आखिर क्या है इस रहस्यमयी गायब होने की कहानी? आइए जानते हैं!

क्या हुआ उस दिन?

अंकिता ने इंस्टाग्राम पर एक दिल दहला देने वाली पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी घरेलू सहायिका कांता की बेटी सलोनी और उसकी दोस्त नेहा, 31 जुलाई की सुबह 10 बजे से लापता हैं। दोनों लड़कियों को आखिरी बार मुंबई के वकोला इलाके (सांताक्रूज पूर्व) में देखा गया था। अंकिता ने इन लड़कियों को अपना 'परिवार' बताते हुए कहा, 'हम बेहद परेशान और चिंतित हैं। ये लड़कियां हमारे लिए सिर्फ कर्मचारी नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा हैं।'

पुलिस में दर्ज हुई .एफआई आर, लेकिन कोई सुराग नहीं!

मामले की गंभीरता को देखते हुए मालवणी पुलिस स्टेशन में अपहरण का केस दर्ज किया गया है, क्योंकि दोनों लड़कियां नाबालिग हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। अंकिता और विक्की ने मुंबई पुलिस और आम जनता से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर किसी को इन लड़कियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो कृपया तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचित करें। आपका समर्थन और प्रार्थनाएं हमारे लिए सब कुछ हैं।'

सुशांत सिंह राजपूत का साया?

यह घटना इसलिए भी सुर्खियों में है, क्योंकि अंकिता का नाम अक्सर उनके पूर्व प्रेमी और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत से जोड़ा जाता रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इस घटना को रहस्यमयी बताते हुए सुशांत के साये से जोड़ रहे हैं। हालांकि, यह महज अफवाहें हो सकती हैं, लेकिन इसने मामले को और सनसनीखेज बना दिया है।

अंकिता की अपीलः 'वे हमारे परिवार हैं'

अंकिता ने अपनी पोस्ट में भावुक अंदाज में लिखा, 'सलोनी और नेहा हमारे दिल के करीब हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस खबर को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि हमारी बहनें सुरक्षित घर लौट सकें।' अंकिता और विक्की की इस संयुक्त अपील ने फैंस को भी झकझोर दिया है, और लोग सोशल मीडिया पर लगातार इस मामले को वायरल कर रहे हैं।

अंकिता का करियरः लाफ्टर शेफ्स में मचाया धमाल

अंकिता हाल ही में कलर्स टीवी के कॉमेडी शो लाफ्टर शेफ्स - अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आई थीं, जिसका प्रीमियर जनवरी 2025 में हुआ। भारती सिंह द्वारा होस्ट और शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा जज किए गए इस शो ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। यह शो जियो हॉटस्टार पर भी स्ट्रीम हो रहा है।

आगे क्या?

इस रहस्यमयी घटना ने सभी को हैरान कर दिया है। क्या सलोनी और नेहा सुरक्षित वापस लौटेंगी? क्या इस मामले में कोई नया खुलासा होगा? फिलहाल, अंकिता और विक्की की अपील के बाद मुंबई पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अगर आपके पास इन लड़कियों के बारे में कोई जानकारी है, तो तुरंत मुंबई पुलिस से संपर्क करें।

भारतीय टीम एशिया कप नहीं खेलेगी तो बीसीसीआईको कितना नुकसान? विरोध के लिए सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

(जीएनएस)।

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का वेन्यू सामने आते ही सोशल मीडिया पर उबाल देखने को मिल रहा है। भारत सरकार और बीसीसीआई को जमकर कोसा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों की याद दिलाई जा रही है।

बड़े-बड़े सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं और बीसीसीआई को खरीखोटी सूना रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है।

शिव सेना उद्धव ग्रुप से सांसद प्रियंका चतुवेर्दी ने एक्स पर लिखा कि हर उस प्रायोजक, ब्रॉडकास्टर और स्ट्रीमिंग ऐप को नाम बताकर शर्मिंदा करें जो इस भारत-पाक मैच से पैसे कमाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि साफ तौर पर इउउकऔर भारत सरकार इस मैच को लेकर बेशर्मी से आगे बढ़ रहे हैं। अब भारतीय नागरिकों की बारी है कि वे अपनी आवाज बुलंद और स्पष्ट करें। मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय से मांग करती हूं कि वे सभी स्ट्रीमिंग ऐप्स और ब्रॉडकास्ट चैनलों पर प्रतिबंध लगाएं जो यह भारत-पाकिस्तान मैच लाइव दिखा रहे हैं। क्या वे भी दबाव में झुक जाएंगे?

मशहूर यूट्यूबर अजीत भारती ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर होल्ड पर है? बीसीसीआई को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को टैग करते हुए लिखा कि आप संसद और रैलियों में 'राष्ट्रवाद' का ढोल पीटते हैं, लेकिन जब सैनिकों की कुर्बानियों का सम्मान करने की बात आती है, तो वही राष्ट्रवाद गायब हो जाता है। क्या राष्ट्रवाद सिर्फ भीड़ को बहकाने और वोट बटोरने का जरिया है?

एशिया कप में इस बार पाकिस्तान को करीब 35 करोड़ की आय होने का अनुमान है और भारत मेजबान देश है। अक्सर भारत अपना राजस्व शेयर छोड़ देता है। भारत अपने हिस्से का राजस्व छोटे देशों में क्रिकेट के विकास के लिए छोड़ता है। बीसीसीआई को इस तरह की रकम छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा कुछ मौकों पर अपने इंटरव्यू में कह चुके हैं कि एशिया कप से होने वाली आय भारतीय क्रिकेट बोर्ड नहीं लेता है। इसे छोटे देशों में बाँट देता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

भारतीय रेल द्वारा तीन नई एक्सप्रेस ट्रेनों भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस; रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस की शुरूआत

मुंबई, विभिन्न राज्यों के बीच रेल संपर्क को सुदृढ़ करने तथा लंबे समय से चली आ रही यात्रियों की मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में, भारतीय रेल द्वारा तीन नई ट्रेन सेवाओं - ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर) - रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर - जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया। इन ट्रेनों की उद्घाटन सेवाओं को दिनांक 03 अगस्त, 2025 (रविवार) को मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव; छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जहाँ भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस को भावनगर टर्मिनस स्टेशन से हरी झंडी दिखाई गई, वहीं रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस की उद्घाटन सेवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

माननीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। 34,000 किमी से अधिक नई रेलवे लाइनों का निर्माण किया गया है, और प्रतिदिन लगभग 12 किमी नई लाइन बिछाई जा रही है, जो भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार संभव हुआ है। 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास कर उन्हें विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है। साथ ही, वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल जैसी आधुनिक ट्रेनें चलाई जा रही हैं और शीघ्र ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी शुरू की जाएगी।

इसके अलावा, माननीय रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि बहुत शीघ्र वाँसजालिया एवं जेतलसर होते हुए पोरबंदर से राजकोट के बीच एक नई ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क और बेहतर होगा। राणावाव स्टेशन पर ₹135 करोड़ की लागत से एक अत्याधुनिक कोच मेंटेनेंस सुविधा विकसित की जाएगी। सराडीया से वाँसजालिया के बीच नई रेलवे लाइन को भी स्वीकृति दी गई है, जो एक पुरानी मांग रही है। पोरबंदर शहर में भद्रकाली गेट के पास लेवल क्रॉसिंग सं. 3 के स्थान पर यातायात सुगमता हेतु एक नया फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, माल ढुलाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भावनगर शहर में दो गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित किए जाएंगे।

भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया; तथा माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

भावनगर में नया पोर्ट बनने वाला है, उस पोर्ट में आधुनिक कंटेनर टर्मिनल बनाने का कार्य भी किया जाएगा, जो भावनगर बंदरगाह को देश के प्रमुख बंदरगाहों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों से भी जोड़ेगा, जिससे अखिल भारतीय कंटेनर कार्गो संचालन को गति मिलेगी।

माननीय मंत्री ने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अनेक रेल परियोजनाएं तीव्र गति से प्रगति पर हैं। मुंबईझ्अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना भी तीव्र गति से आगे बढ़ रही है और इसके जल्द चालू होने से इन दोनों शहरों के बीच यात्रा समय केवल 2 घंटे 7 मिनट रह जाएगा।

फोटो कैप्शनः माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, शामपरा स्थित मेसर्स ए.पी.पी.एल. कंटेनर्स लिमिटेड का दौरा करते हुवे दिखाई दे रहे है।

इसके पश्चात, माननीय मंत्री ने शामपरा स्थित मेसर्स ए.पी.पी.एल. कंटेनर्स लिमिटेड का दौरा किया। यह प्रतिष्ठान कंटेनर इकाइयों का एक प्रमुख निमार्ता है और "मेक इन इंडिया" पहल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो भारत की निर्माण क्षमताओं को दशार्ता है और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है।

फोटो कैप्शनः भावनगर के इस्कॉन क्लब में आयोजित ह्वविकसित भारत संवादह्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव दिखाई दे रहे है।

बाद में, माननीय मंत्री इस्कॉन क्लब, भावनगर में आयोजित ह्वविकसित भारत संवादह्व में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड के बाद जब अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएं संकट में थीं, भारत ने निवेश आधारित रणनीति अपनाकर 6झ्7% की वृद्धि दर को बनाए रखा। उन्होंने बताया कि भारत आज वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन रहा है, पिछले 11 वर्षों में $150 बिलियन मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन हुआ है और भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक देश बन गया है। उन्होंने साणंद और धोलेरा में विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का उल्लेख करते हुए कहा कि भावनगरझ् धोलेरा कनेक्टिविटी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। मंत्री ने स्वदेशी संकल्प, एमएसएमई को समर्थन, "मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड" के प्रति प्रतिबद्धता तथा जनसेवा की भावना से किए जा रहे कार्यों को रेखांकित किया।

हाल में प्रारंभ की गई ट्रेनों की नियमित सेवाओं का विवरण इस प्रकार हैः

ड्ड ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 19201 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस दिनांक 11 अगस्त, 2025 से प्रत्येक सोमवार को 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट - भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 12 अगस्त, 2025 से प्रत्येक मंगलवार को 22:30 बजे अयोध्या कैंट से प्रस्थान कर तीसरे दिन (गुरुवार) को 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर पार, सिहोर (गुजरात), धोला, बोटाद, लिंबडी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं. तथा बाराबंकी स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे उपलब्ध रहेंगे।

नई शुरू की गई ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस, गुजरात और उत्तर प्रदेश के बीच तेज और निर्बाध रेल संपर्क को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ट्रेन भावनगर एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करती है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, व्यापार या रोजगार हेतु यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिक सुविधा प्रदान करेगी। इस सेवा से न केवल यात्रा समय में कमी आने की अपेक्षा है, बल्कि इसके मार्ग पर व्यापार और पर्यटन को भी उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, यह बेहतर कनेक्टिविटी भावनगर क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

ड्ड ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर) - रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 20151 पुणे (हडपसर) - रीवा एक्सप्रेस दिनांक 07 अगस्त, 2025 से प्रत्येक गुरुवार को 15:15 बजे पुणे (हडपसर) से प्रस्थान कर अगले दिन 17:30 बजे रीवा पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 20152 रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस दिनांक 06 अगस्त, 2025 से प्रत्येक बुधवार को 06:45 बजे रीवा से प्रस्थान कर अगले दिन 09:45 बजे पुणे (हडपसर) पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, अकोला, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे उपलब्ध रहेंगे।

ड्ड ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर - जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 11701 रायपुर - जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 04 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन 14:45 बजे रायपुर से प्रस्थान कर उसी दिन 22:45 बजे जबलपुर पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 11702 जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस दिनांक 05 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन 06:00 बजे जबलपुर से प्रस्थान कर उसी दिन 13:50 बजे रायपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर तथा मदन महल स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी चेयर कार, चेयर कार तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बों की सुविधा होगी।

भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट उद्घाटक एक्सप्रेस का महेसाणा में भव्य स्वागत

यह पहली ट्रेन है जो मेहसाणा को रामलल्ला की नगरी अयोध्या से जोड़ती है।

अब सोमवार शाम को मेहसाणा वासी इस ट्रेन में जा सकेंगे और मंगलवार को अयोध्या पहुँच कर मंदिर दर्शन कर रात में इसी ट्रेन से वापस लौट सकेंगे।

महेसाणा स्टेशन से माननीय सांसद श्री हरीभाई पटेल एवं महेसाणा से विधायक श्री मुकेशभाई पटेल और खेरालु से विधायक श्री सरदारभाई चौधरी के द्वारा इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया गया।

आज, 3 अगस्त 2025 को भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस का शुभारंभ माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और माननीय राज्य मंत्री उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण श्रीमती निमुबेन जयंतिभाई बांभणिया द्वारा भावनगर टर्मिनस से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इसी क्रम में, अहमदाबाद मंडल के महेसाणा स्टेशन पर भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस के प्रथम आगमन पर एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। यह क्षण महेसाणा वासियों के लिए अत्यंत खास रहा, क्योंकि यह ट्रेन पहली बार उनके स्टेशन पर पहुँची। इस ट्रेन की माँग महेसाणा क्षेत्र से लंबे समय से लोकसभा सांसद श्री हरिभाई पटेल द्वारा की जा रही थी, जो आज पूरी हुई। उन्होने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को यह ट्रेन को चलाने के लिए आभार प्रकट किया।

महेसाणा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा सांसद महेसाणा श्री हरिभाई पटेल, डीआरएम अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश , महेसाणा से विधायक श्री मुकेशभाई पटेल, और खेरालु से विधायक श्री सरदारभाई चौधरी सहित अन्य गणमान्य अथितियों की उपस्थित में इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए प्रस्थान कराया।

यह भावनगर से अयोध्या के लिए शुरू की गई पहली सीधी ट्रेन सेवा है, जो सौराष्ट्र क्षेत्र के साथ-साथ महेसाणा को सीधे उत्तर प्रदेश के पवित्र नगर अयोध्या से जोड़ती है। इस सेवा से महेसाणा और आसपास के यात्रियों को अयोध्या जाने के लिए अब एक सुविधाजनक, सुरक्षित और सीधा रेल यात्रा का विकल्प मिला है। यह ट्रेन क्षेत्र के श्रद्धालुओं और यात्रियों को सीधे अयोध्या तक पहुँचाएगी। अब महेसाणा क्षेत्र के नागरिक अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि के दर्शन हेतु सीधे ट्रेन से यात्रा कर सकेंगे, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी और धार्मिक पर्यटन को भी एक नया आयाम मिलेगा।

महेसाणा स्टेशन पर आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में ऋडटटऋ अमूल और दूधसागर डेरी के चेयरमैन श्री अशोक चौधरी, महेसाणा बीजेपी के जिला प्रेसिडेंट श्री गिरीश राजगोर, रेलवे अधिकारियों, स्थानीय नागरिकों और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्या भाजपा नीतीश को नहीं बनाएगी सीएम? महागठबंधन में लौटेगा जेडीयू? पप्पू यादव का चुनाव से पहले बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

बिहार में साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ चुका है। मुकाबला इस बार भी ठऊअ बनाम महागठबंधन के बीच कड़ा होने वाला है, लेकिन सवाल अब पहले से कहीं ज्यादा पेचीदा हैं -क्या नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे? क्या तेजस्वी यादव होंगे महागठबंधन का चेहरा? और क्या रणनीतिकार प्रशांत किशोर इस बार कोई राजनीतिक चमत्कार करेंगे?

इन तमाम मुद्दो पर लोकसभा सांसद पप्पू यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कभी जनता अधिकार पार्टी के मुखिया रहे पप्पू यादव फिलहाल कांग्रेस से जुड़े हैं। पप्पू यादव ने बिना लाग-लपेट, सीधा और सटीक अंदाज में कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि भाजपा नीतीश कुमार को आने वाले चुनाव में मुख्यमंत्री पद से हटा दे।

पप्पू यादव ने कहा,

"भाजपा ने कभी भी नीतीश जी को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं किया। नीतीश जी की आज भी एक धर्मनिरपेक्ष छवि है। लेकिन हाल की घटनाएं-जैसे वक्फ कानून में संशोधन पर NDA का समर्थन-ने अल्पसंख्यकों को काफी आहत किया है। जब हमारे नेता राहुल गांधी 65% आरक्षण और जातीय जनगणना की बात करते हैं, तब नीतीश जी चुप हो जाते हैं।"

उन्होंने कहा, "बिहार में BJP की कोई अहमियत नहीं है नीतीश कुमार के बिना। अब एइउ वर्ग को भी समझ में आ गया है कि भाजपा ने उनके नेता को कमजोर कर दिया। इसलिए EBC, SC, ST, OBC और अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस की ओर शिफ्ट हो रहे हैं।"

पप्पू यादव बोले- 'नीतीश जी को महागठबंधन में आ जाना चाहिए'

पप्पू यादव ने नीतीश कुमार को फिर से महागठबंधन में शामिल होने का न्योता देते हुए कहा,

"नीतीश जी को महागठबंधन में आ जाना चाहिए, क्योंकि BJP आखिर में उन्हें धोखा ही देगी। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करता हूं और सिर्फ मैं ही नहीं हमारे नेता भी उनका सम्मान करते हैं।"

पप्पू यादव ने कहा, "अगर भाजपा को नीतीश की जरूरत है, तो क्या कांग्रेस को बिहार में RJD की जरूरत नहीं हो सकती है। गठबंधन को साथ लेकर चलना जरूरी है। कांग्रेस की भूमिका के बिना बिहार में कोई भी राजनीतिक दिशा तय नहीं की जा सकती।

क्या शाहरुख खान के दामाद बनना चाहते थे 'सैयारा' के अहान पांडे?

सुहाना के साथ था अफेयर? फिर क्यों टूटा रिश्ता?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर अहान पांडे अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सैयारा' को लेकर लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं। अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है और पहली ही मूवी से लोगों के दिलों पर राज करने लगे हैं।

अहान पांडे की 'सैयारा' साबित हुई ब्लॉकबस्टर

आपको बता दें कि मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' रिलीज होने के 15 दिनों के अंदर ही ब्लॉकबस्टर सबित हो गई है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई नए रिकॉर्ड बना लिए हैं। वहीं लड़कियां फिल्म के लीड हीरो अहान पांड को लेकर क्रेजी होती नजर आ रही हैं।

बिजनेसमैन चिक्की पांडे के बेटे हैं अहान पांडे

जानकारी के अनुसार फिल्म 'सैयारा' के लीड हीरो अहान पांडे की उम्र 27 साल है। वह बिजनेसमैन चिक्की पांडे के बेटे हैं। अहान की मां का नाम डिएन पांडे है, जो कि एक फिटनेस एक्सपर्ट और राइटर हैं। अहान पांडे का जन्म मुंबई में ही हुआ था। उन्होंने मुंबई के ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है।

अहान पांडे की पढ़ाई, करियर और गर्लफ्रेंड

-इसके बाद अहान पांडे ने यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। जानकारी के अनुसार अहान पांडे बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर हैं। अनन्या पांडे के पिता एक्टर चंकी पांडे रिश्ते में अहान पांडे के चाचा लगते हैं। बहन अनन्या पांडे को अपना इंस्पिरेशन मानते हुए ही अहान पांडे भी बॉलीवुड में एक्टिंग करने के लिए उतरे हैं।

-फिल्म 'सैयारा' की सक्सेस के साथ-साथ अहान पांडे की पर्सनल लाइफ को लेकर भी जमकर चर्चा हो रही है। इसी बीच अहान पांडे के साथ श्रुति चौहान का नाम जोड़ा जा रहा है। कहा जा रहा है कि श्रुति चौहान सैयारा के अहान पांडे की कथित गर्लफ्रेंड हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन श्रुति द्वारा फिल्म 'सैयारा' के लिए की गई इमोशनल पोस्ट ने इन अटकलों को हवा दे दी है।

कौन हैं श्रुति चौहान?

-आपको बता दें कि श्रुति चौहान एक एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जिन्हें जोया अख्तर की फिल्म 'गली बॉय' में देखा गया था। उस फिल्म में उन्होंने माया का किरदार निभाया था।

-जयपुर की रहने वाली श्रुति चौहान ने ज्योति विद्यापीठ से आर्ट्स की पढ़ाई की है। इसके अलावा वह सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ म्यूजिक वीडियो 'हद से' में भी नजर आ चुकी हैं।

कौन हैं ये मां-बेटी? साथ पास की नीट परीक्षा, अब साथ करेंगी एमबीबीएस की पढ़ाई

(जीएनएस)।

सपनों की कोई उम्र नहीं होती, अगर दृढ़ इच्छा शक्ति और सच्ची लगन हो तो जागती आंखों से देखा सपना जरूर पूरा होता है। ऐसी ही एक मां की प्रेरणादायक खबर सुर्खियां बटोर रही है। 49 वर्षीय मां ने अपनी बेटी के साथ ठएएळ परीक्षा पास करके इतिहास रच दिया है। ठएएळ परीक्षा पास करने के बाद अब ये मां अपनी बेटी के साथ टइइर की पढ़ाई करेंगी। आइए जानते हैं कौन हैं ये मां-बेटी?

ये मां-बेटी की जोड़ी तमिलनाडु के तिरुवरुर जिले की रहने वाली है। मां का नाम अय्यरमुथु अमुथावल्ली है और बेटी का नाम एम. संयुक्ता है। 49 वर्षीय मां अय्यरमुथु अमुथावल्ली को मेडिकल की तैयारी करने की प्रेरणा अपनी बेटी से मिली। डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने में जुट गई और अब बेटी के साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा ठएएळ पास कर मिसाल कायम कर दी है।

कौन हैं ये मां बेटी की जोड़ी?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमूथावल्ली मनिवन्नन फिजियोथेरेपिस्ट हैं और पहले प्राइवेट स्कूल में जीव विज्ञान भी पढ़ा चुकी हैं और शादी के बाद अपनी घर गृहस्थी संभालने में बिजी थी। मां अमूथावल्ली की बेटी को जब ये पता चला कि उनकी मां का डॉक्टर बनने का सपना वर्षों पहले अधूरा रह गया है है तो बेटी ने मां को प्रोत्साहित किया। बेटी ने मां को बताया कि नीट परीक्षा में बैठने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती तो आप अपना ये सपना पूरा कर सकती हैं।

बेटी बनी प्रेरणा, मां ने रच दिया इतिहास

फिर क्या था बेटी के प्रोत्साहित करने पर मां ने ठान ली और इस कठिन परीक्षा में बैठने का फैसला किया। उन्होंने बेटी के साथ बैठकर घंटों पढ़ाई की, नोट्स बनाए और अपनी कड़ी मेहनत से यह सिद्ध कर दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नीट में उम्र या कितनी बार प्रवेश परीक्षा में अटेम्प्ट की कोई सीमा नहीं है, जिससे अमुथवल्ली ने लगातार तीन बार प्रयास किया और अपने सपने को पूरा किया।

बेटी ने हर कदम पर दिया साथ

अमूथावल्ली ने बताया, "मुझे वर्तमान पाठ्यक्रम काफी कठिन और उनके स्कूल के दिनों से बहुत अलग लगा। ऐसे में मेरी बेटी मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा बनीं। मैंने उसकी किताबें लीं और परीक्षा की तैयारी की।" संयुक्ता, जो कोचिंग ले रही थी, ने अपनी मां को पढ़ाई के लिए किताबें भी मुहैया कराईं।

अमुथवल्ली के लिए आसान नहीं था सफर

अमुथवल्ली के लिए यह सफर आसान नहीं था। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले तीन बार NEET की परीक्षा दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। अपने इरादे पर अडिग रहते हुए, उन्होंने चौथी बार प्रयास किया और इस बार उन्हें कामयाबी मिली। अमूथावल्ली अपनी बेटी के साथ 'बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति' (PwD) श्रेणी के तहत इसमें शामिल हुईं। काउंसलिंग में उन्होंने अपने गृहनगर तेनकासी के पास विरुधुनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज को अपनी प्राथमिकता बताया था। अमूथावल्ली ने इस परीक्षा में 147 अंक हासिल किए थे।

संयुक्ता अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानती हैं। उनका कहना है, "मेरी मां मेरी इंस्पिरेशन हैं।" जब उन्होंने देखा कि उनकी माँ भी उन्हीं की तरह लगन से पढ़ाई कर रही थीं, तो उनका जोश और बढ़ गया।

कौन हैं मथुरा श्रीधरन? अमेरिका में बनीं सॉलिसिटर, बिंदी की वजह से हो रही ट्रोल

(जीएनएस)।

अमेरिका में भारतीय मूल की एक और महिला ने अपने काबलियत का परचम लहराया है। भारतीय मूल की वकील मथुरा श्रीधरन को अमेरिका में सॉलिसिटर जरलत नियुक्त किया गया है। 31 जुलाई को मथुरा को ओहियो के अटॉर्नी जनरल डेव यॉस्ट ने राज्य का सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया था। जिसके बाद से ही मथुरा श्रीधरन को नस्लवादी और अपमानजनक टिप्पणियों का शिकार हो रही हैं।

भारतीय मूल की मथुरा श्रीधरन को सोशल मीडिया पर केवल इसलिए ट्रोल किया जा रहा है क्योंकि वो बिंदी लगाती है। उनके ट्रोल करने वाले उनके ऊपर तरह* तरह के कमेंट करते हुए सवाल उठा रहे है कि आखिर इतना महत्वपूर्ण पद किसी "अमेरिकी" को क्यों नहीं दिया गया।

अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने मथुरा श्रीधरन की तारीफ

मथुरा श्रीधरन को ओहियो के 12वें सॉलिसिटर जनरल के रूप में चुना गया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए, अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने '' पर एक पोस्ट लिखी थी, जिसमें उन्होंने मथुरा को "प्रतिभाशाली" बताया और विश्वास व्यक्त किया कि वह राज्य की अच्छी सेवा करेंगी। उन्होंने लिखा, "मथुरा प्रतिभाशाली हैं... उन्होंने पिछले साल रउडळवर में अपना तर्क जीता। जिन सॉलिसिटर जनरलों (फ्लावर्स और गैसर) के अधीन उन्होंने काम किया, उन सभी ने उनकी सिफारिश की। हमेशा! उन्हें बढ़ावा देकर उत्साहित हूं। वह ओहियो की अच्छी सेवा करेंगी।"

बिंदी लगाने को लेकर मथुरा श्रीधरन हुई ट्रोल

हालांकि, श्रीधरन को भारतीय होने और बिंदी पहनने के कारण नस्लवादी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। एक कमेंट में पूछा गया, "आप ऐसे महत्वपूर्ण पद के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को क्यों चुनेंगे जो अमेरिकी नहीं है?" एक अन्य ने उनकी बिंदी पर टिप्पणी करते हुए कहा, "बिंदी असंगत है, लेकिन अंततः फिर भी दिखाई देती है।"

अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने मथुरा के बचाव में क्या कहा?

इन टिप्पणियों के बाद डेव यॉस्ट ने मथुरा श्रीधरन का बचाव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दावा करना "गलत" है कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। यॉस्ट ने जोर देकर कहा कि अगर किसी को श्रीधरन का रंग या उनका नाम परेशान करता है, तो समस्या व्यक्ति में है, न कि श्रीधरन में।

यॉस्ट ने कहा, "कुछ कमेंटेटर ने गलत तरीके से दावा किया है कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। वह संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिक हैं, एक अमेरिकी नागरिक से विवाहित हैं, और प्राकृतिककृत अमेरिकी नागरिकों की संतान हैं। अगर उनका नाम या उनका रंग आपको परेशान करता है, तो समस्या उनके या उनकी नियुक्ति में नहीं है।"

कार्यालय का उद्घाटन समारोह एवम संगोष्ठी का आयोजन हुआ

लखनऊ , लखनऊ खण्ड स्नातक प्रत्याशी प्रोफेसर आर्किटेक्ट सुनील कुमार श्रीवास्तव जी के कार्यालय का उद्घाटन समारोह सहारा शापिंग सेंटर नियर लेखराज मेट्रो,में महर्षि विद्या मंदिर के प्रबंधक श्री अनूप श्रीवास्तव जी के द्वारा फीता काट कर किया गया।अनूप श्रीवास्तव जी,उमेश श्रीवास्तव जी,डाक्टर इन्द्र सेन श्रीवास्तव जी को पटका पुष्प गुच्छ भेंट सम्मानित किया गया कार्यालय के उद्घाटन समारोह के बाद संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें कायस्थ समाज उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शेखर कुमार जी ने प्रत्याशी प्रोफेसर आर्किटेक्ट सुनील जी के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ साथ सभी से अनुरोध किया कि सभी लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोटर बनाने की प्रक्रिया और तीर्व करें,संगोष्ठी में सभी ने अपने अपने विचारों को रखते हुए वोटर बनाने की प्रक्रिया में और तेजी लाने का संकल्प लिया आज की संगोष्ठी में अध्यक्ष शेखर कुमार जी ने दिव्यांश श्रीवास्तव जी को प्रदेश अध्यक्ष युवा घोषित किया और सभासद प्रत्याशी व प्रदेश अध्यक्ष महिला श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव जी को पुर्व तीन महीनों में कि गए उत्कृष्ट कार्य के लिए पगड़ी,पटका पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में सभी सम्मानित सहयोगियों व पदाधिकारियों ने लखनऊ नगर निगम के बीस वार्डो में कायस्थ समाज के प्रत्याशीयों को लड़ाने का हर्षध्वनि के साथ पुनः संकल्प लिया। समारोह में विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों व गणमान्य विभूतियों में श्रीमती अम्रिता खरे,मुनेन्द्र,आलोक भटनागर, राकेश रंजन,प्रकाश जी, सर्वेश,संजय,दिव्यांश,शरद, दिनेश खरे, विरेन्द्र निगम, आनन्द प्रकाश,पंकज, एडवोकेट अज्जू श्रीवास्तव, सचिनराज कुमार,कमल कुमार,संजीव सक्सेना,मोहित,राम जी,आमोद,संजय श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित की।

युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील, पंचायत चुनावों में सजग रहने का आह्वान

(जीएनएस)।

बिजनौर।

चंदक स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रविवार को भाकियू अराजनैतिक की ओर से आयोजित गोष्ठी में किसानों और युवाओं ने क्षेत्रीय समस्याओं पर मंथन किया। गोष्ठी की अध्यक्षता ब्रहमपाल सिंह ने की जबकि संचालन जिला महासचिव नितेन्द्र प्रधान ने किया। इस दौरान युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगम्बर सिंह ने जहां क्षेत्रीय समस्याओं पर प्रभावी कार्ययोजना की बात की, वहीं युवाओं से सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की अपील की।

दिगम्बर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाले पंचायत चुनावों में युवाओं को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करें, क्योंकि शिक्षित युवा ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के समय नशे का प्रलोभन देने वालों से सतर्क रहना होगा।

गोष्ठी में क्षेत्रीय समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। इनमें बरकातपुर स्थित उत्तम शुगर मिल से चंदक तक नहर की पटरी को पक्का कराने, बिजली विभाग से अलग फीडर देने, जर्जर विद्युत लाइनों के सुधार, पेराई सत्र से पहले गन्ना मूल्य घोषित करने, तहसीलों में अंश निर्धारण की गड़बड़ी सुधारने, गौशालाओं की स्थिति में सुधार, चंदक रेलवे लाइन पर ओवरब्रिज निर्माण तथा नजीबाबाद चीनी मिल की क्षमता वृद्धि जैसे मुद्दे शामिल रहे।

जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही ने कहा कि समस्याओं को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा और यदि समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की राह अपनाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान अपनी समस्याओं को लेकर अब और चुप नहीं बैठेंगे।

गोष्ठी में चौधरी बलराम सिंह, अतुल कुमार, देवानंद, गौरव कुमार, अनमोल चौधरी, धर्मपाल सिंह, कुलवीर सिंह, राकेश प्रधान, उदयवीर सिंह, जमील प्रधान, संपत सिंह, कलीराम सिंह, विश्वजीत चौधरी सहित बड़ी संख्या में किसान व युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सावन एवं कजरी गीतों पर महिलाओं ने नृत्य की मनोरम छटा बिखेरी

संध्या चौधरी बनी हरियाली तीज श्रृंगार की विजेता

लखनऊ सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था मधुलिका हॉबी क्लासेज के तत्वावधान और कोहिरा डायमंड के सहयोग से आज शाम वी स्क्वेयर होटल औरंगाबाद जागीर, आशियाना लखनऊ में आयोजित हरियाली तीज श्रृंगार कार्यक्रम में सावन एवं कजरी गीतों पर महिलाओं ने नृत्य की मनोरम छटा बिखेरी।

हरियाली तीज श्रृंगार कार्यक्रम का शुभारंभ रेखा शर्मा और मनोज कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।संगीत से सजे कार्यक्रम का शुभारंभ शैली अहिरवार ने गणेश वंदना से की। गणेश जी के चरणों में समर्पित इस प्रस्तुति के उपरान्त खुशी गौड़, खुशी सिंह, गौरी मिश्रा ने कजरी और सावन गीतों को सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया।

मन को मोह लेने वाली इस प्रस्तुति के बाद महिमा यादव, सीबा राही, राधिका सिंह, संध्या चौधरी, शिवानी सिंह, संध्या सिंह, अनामिका पाठक, सीमा, ज्योत्सना, शैली, वर्तिका, ईशू और रूचि ने कजरी-सखि बरसे झमाझम पानी नथुनिया से बूंद टपके सावन गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की असंख्य तालियां बटोरीं।

हरियाली तीज श्रृंगार कार्यक्रम में गुंजन वर्मा, दिव्या शुक्ला और शिवानी वर्मा निर्णायक मंडल की उपस्थिति में नृत्य, गायन, अंताक्षरी, रैम्प वॉक और तीज क्वीन प्रतियोगिताएं हुईं जिसमें तीज क्वीन का खिताब संध्या चौधरी को मिला, जबकि डेजी धामी और अनामिका पाठक इस प्रतियोगिता की क्रमशः प्रथम और द्वितीय रन अप रहीं। इस अवसर पर सरिता सिंह, अनुराग शाहा, मधुलिका सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सम्पूर्ण शुक्ला ने किया।

निजी अस्पताल में मरीज की मौत परिजनों में कोहराम

(जीएनएस)।

कौशाम्बी। मंझनपुर नगर कोतवाली के समदा रोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में मरीज की मौत हो गई है। मरीज की मौत के बाद परिजन रोते बिलखते सड़क पर निकल आये। हालांकि ये कोई नई बात नहीं है इस अस्पताल में आएदिन मरीजों की मौत होती रहती है।

खखरेरू थाना क्षेत्र के असोथर निवासी मुन्ना दिवाकर को इलाज के लिए मंझनपुर नगर कोतवाली इलाके के समदा रोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार को ईलाज के दौरान मुन्ना की मौत हो गई। मुन्ना की मौत के बाद परिजन रोते बिलखते सड़क पर निकल आये। परिजनों को रोता बिलखता देख लोगों की भीड़ जमा हो गई है। लोगों का कहना है कि इस निजी अस्पताल में मरीजों की मौत आएदिन होती रहती है। आरोप है कि अफसरों की अनदेखी से अस्पताल संचालक के खिलाफ कार्रवाई न होने से मरीजो की मौत का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है।

परिवार के सफर का बना मातमः कार भिड़ंत में मां और बेटे की मौत

(जीएनएस)।

बिजनौर।

नगीना-धामपुर मार्ग पर रविवार को उस वक्त हृदय विदारक हादसा हो गया जब दो तेज रफ्तार कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में रुड़की निवासी चंद्रशेखर भट्ट और उनकी मां माधवी भट्ट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चंद्रशेखर की पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा थाना नगीना क्षेत्र के गांव चकसहजानी के पास हुआ।

चश्मदीदों के मुताबिक, दोनों कारें तेज रफ्तार में थीं और एक मोड़ पर सामने से टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए। घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत नगीना के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही, दूसरी कार के चालक को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चंद्रशेखर भट्ट अपने परिवार के साथ रुड़की से रुद्रपुर स्थित एक रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। रास्ते में चकसहजानी के पास यह भीषण हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना दुर्घटना का प्रमुख कारण प्रतीत हो रहा है। वहीं, घायलों का इलाज जारी हैं।

पावस महिला काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया- डॉ उषा कनक पाठक

सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखना सराहनीय - नीलम देवी

मिजार्पुर। राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त की जयंती पर हिंदी श्री साहित्य संस्थान के तत्वावधान में अनगढ़ स्थिति एक हाल में पावस महिला काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित साहित्यकार डॉ उषा कनक पाठक रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गाजीपुर से आयी हिंदी श्री की संरक्षक नीलम देवी ने किया। संचालन कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज ने किया।

मुख्य अतिथि व अध्यक्ष ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति वंदना गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि डॉ उषा कनक पाठक ने अपने वक्तव्य में कहा कि पावस काव्य गोष्ठी में आकर प्रसन्नता हुई। कार्यक्रम उच्चकोटी का था। कजरी मिजार्पुर की पहचान है और विशेष रूप से सावन में गाई जाती है। मुख्य अतिथि ने सुनाया कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया। अध्यक्षता कर रही नीलम देवी ने कहा कि सावन माह धार्मिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। ऐसे में पावस महिला काव्य गोष्ठी के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखना सराहनीय है।

नंदिनी वर्मा ने सुनाया चला देखी आई सावन के मेला सखी। बड़ा मन करेला सखी। इला जायसवाल ने सुनाया हरे रामा रिमझिम बरसे पनिया, कि झूले राधा रनिया ए हरी। कल्पना गुप्ता ने सुनाया बहुतय दर्द होला कृष्ण कन्हैया, कलाई जिन मरोड़ा हे बनवारी।

कार्यक्रम में सुमन, सावित्री कुमारी, अमिका सिंह, दिव्या सिंह, उर्मिला, साधना पाठक, मोहिनी, तान्या कुलश्रेष्ठ, नुसरत जमाल, पूनम सिंह, पूनम, प्रीति सोनकर, चंदा देवी, साधना वर्मा ने कजरी गीत सुनाया।

कार्यक्रम के अंत में सावित्री कुमारी ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

उत्तर प्रदेश लैब टेक्नीशियन संघ के प्रदेश सम्प्रेछक का विदाई समारोह सम्पन्न

गोरखपुर , वरिष्ठ प्रयोगशाला प्रविधिज्ञ श्री ए के मौर्या जी एव श्री गिरीश चंद्र श्रीवास्तव जी के सेवा निवृत्ति के उपरांत सम्मान समारोह का आयोजन अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ एव परिवार कल्याण गोरखपुर मंडल गोरखपुर के मीटिंग हाल मे एल टी संघ द्वारा किया गया जिसमे जिसमे सयुक्त निदेशक डा वी एम राव,श्री ए के गर्ग जी,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा अरुण चौधरी जी के साथ साथ जनपद के सभी एल टी संबर्ग के से सदस्यों ने प्रतिभाग किया मंच संचालन जनपद अध्यक्ष श्री नवीन श्रीवास्तव द्वारा किया गया इस समारोह में प्रांत से आए हुए प्रांतीय अध्यक्ष श्री एस के रावत महामंत्री श्री कमल श्रीवास्तव,सुनील यादव,रमेश यादव,नरेश पटेल,सचिव अमित शुक्ला की उपस्थिति रही सभी ने श्री मौर्या जी एव श्री श्रीवास्तव जी के अग्रिम उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी

'आसिम मुनीर ने गुमराह किया, यह क्षेत्र बिकाऊ नहीं', अमेरिका की तेल वाली डील पर बलूच नेता ने दी खुली चेतावनी

(जीएनएस)।

बलूच नेता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान द्वारा बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों पर किए जा रहे दावों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (ऊ्ङ्मल्लं' । ळ१४ेस्र) और उनके प्रशासन को भी चेताया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में विशाल तेल और खनिज भंडार पूरी तरह से 'बलूचिस्तान गणराज्य' के हैं, पाकिस्तान के नहीं।

उन्होंने कहा कि ट्रंप और उनके प्रशासन को आतंकवाद को पनाह देने वाले इस देश के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने 'गंभीर रूप से गुमराह' किया है।

'तेल-गैस पंजाब में नहीं, बलूचिस्तान में हैं'

एक्स पर एक पोस्ट में बलूच ने क्षेत्र की विशाल तेल और खनिज संपदा के बारे में ट्रंप की हालिया टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने जिन संसाधनों का जिक्र किया है, वे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नहीं, बल्कि बलूचिस्तान में स्थित हैं, जो उनके अनुसार पाकिस्तान के 'अवैध कब्जे' वाला क्षेत्र है।

पोस्ट में लिखा था कि, 'इस क्षेत्र में विशाल तेल और खनिज भंडारों के बारे में आपकी मान्यता वास्तव में सटीक है। हालांकि, पूरे सम्मान के साथ, आपके प्रशासन को यह सूचित करना जरूरी है कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व, विशेष रूप से जनरल असीम मुनीर और उनके राजनयिक माध्यमों द्वारा आपको इन महत्वपूर्ण संसाधनों के वास्तविक भूगोल और स्वामित्व के बारे में गंभीर रूप से गुमराह किया गया है।'

उन्होंने लिखा कि, 'तेल, प्राकृतिक गैस, तांबा, लिथियम, यूरेनियम और दुर्लभ मृदा खनिजों के ये अप्रयुक्त भंडार पंजाब के क्षेत्र में स्थित नहीं हैं, जो वास्तविक पाकिस्तान है। ये बलूचिस्तान गणराज्य के हैं, जो ऐतिहासिक रूप से एक संप्रभु राष्ट्र है और वर्तमान में पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है।'

'पाकिस्तान कर रहा है बलूच संपदा का दुरुपयोग'

पोस्ट में आगे कहा गया है कि यह दावा कि ये संसाधन पाकिस्तान के हैं, न केवल झूठा है, बल्कि यह राजनीतिक और वित्तीय लाभ के लिए बलूचिस्तान की संपत्ति का दुरुपयोग करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है।' बलूच की यह टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा गुरुवार को पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते की घोषणा के बाद आई है।

बलूचिस्तान राज्य ने इस क्षेत्र में पाकिस्तान की चल रही राजकीय दमनकारी नीति का व्यापक रूप से सामना किया है, जिसकी जड़ें 1948 में पाकिस्तान द्वारा बलूचिस्तान पर जबरन कब्जा करने और देश के निर्माण के तुरंत बाद इसकी संप्रभुता को कुचलने में निहित हैं।

बलूच राष्ट्रीय आंदोलन (बीएनएम) बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के संघर्ष के केंद्र में रहा है। बीएनएम हाल के वर्षों में बलूच नेताओं के जबरन गायब होने, न्यायेतर हत्याओं और अन्यायपूर्ण मुकदमों के लिए पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन और विरोध भी करता रहा है।

मीर यार बलूच ने ट्रंप को यह भी चेतावनी दी कि पाकिस्तान की सेना और उसकी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (क्रक), जिसे उन्होंने अल-कायदा जैसे आतंकवादी समूहों को प्रायोजित करने वाली एक 'दुष्ट' एजेंसी करार दिया, बलूचिस्तान के खरबों डॉलर के भंडार का फायदा उठाएगी, जो एक 'गंभीर रणनीतिक भूल' होगी।

उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह की पहुंच आईएसआई की वित्तीय और परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएगी, जिससे संभवतः वह वैश्विक आतंकवादी नेटवर्क का विस्तार कर सकेगी और 9/11 जैसे बड़े पैमाने पर हमलों को अंजाम दे सकेगी।

जिलाधिकारी ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों में और चौकसी बढ़ाने के दिए निर्देश

लखनऊ रीडर ब्यूरो कौशाम्बी

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार को बाढ़ प्रभावित ग्राम-पभोषा एवं बढ़हरी का स्थलीय निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने इन ग्रामों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया तथा राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों से वार्ता कर उनकी समस्याएं को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित की जाय उन्होंने ग्रामवासियों से कहा कि जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय उन्होंने बाढ़ संभावित क्षेत्रों में और चौकसी बढ़ाने तथा आवश्यक कार्यवाही पूर्व से ही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मंझनपुर सुख लाल प्रसाद वर्मा उपजिलाधिकारी चायल आकाश सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बहादुरपुर में कच्चा मकान ढहने से मां-बेटी की मलबे में दबकर मौत एक बेटी गंभीर घायल परिजनों में कोहराम

(जीएनएस)।

कौशाम्बी। जनपद में रविवार की सुबह तेज बारिश ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बहादुरपुर में तेज बारिश के कारण एक कच्चा मकान भरभराकर गिर गया जिसकी चपेट में आने से मां और दो बेटियां मलबे में दब गईं। सूचना मिलते ही प्रशासन व पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तीनों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल मंझनपुर भेजा गया लेकिन इलाज के दौरान मां और एक बेटी की मौत हो गई।मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बहादुरपुर निवासी महाराजदीन रैदास पुत्र स्व. राम निहोरे का कच्चा मकान रविवार सुबह करीब 9 बजे लगातार बारिश के चलते गिर गया। हादसे में उनकी पत्नी प्रेमा देवी (55) और दो बेटियां साधना (19) एवं आराधना (17) मलबे में दब गईं। मौके पर पहुंचे

ग्रामीणों और पुलिस टीम ने तुरंत रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

_चिकित्सकों ने प्रेमा देवी और साधना को मृत घोषित कर दिया जबकि आराधना की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल गांव में शांति का माहौल है और कानून व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रण में है।